कार्यवाही | धान उपार्जन में सख्ती के चलते हुई कई जगहों पर कार्यवाही

## धान उपार्जन में गड़बड़ी, केंद्र प्रभारी निलंबित

**नवभारत, जबलपुर।** धान उपार्जन कार्य में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और अनियमितताओं पर अंकुश लगाने जिला प्रशासन सख्त रुख अपना रहा है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार लगातार की जा रही जांच और निगरानी के दौरान धान उपार्जन में गड़बड़ियां सामने आने पर जिला आपूर्ति नियंत्रक द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। जिसके चलते पाटन तहसील के सकरा सेवा सहकारी समिति अंतर्गत संचालित उपार्जन केंद्र में अनियमितता पाए जाने पर केंद्र प्रभारी अखिलेश यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं कुंडम तहसील के बाथवा वेयरहाउस टिकरिया में सेवा सहकारी समिति गौरी द्वारा संचालित उपार्जन केंद्र की जांच में खामियां मिलने पर समिति प्रबंधक संतोष पाण्डेय, उपार्जन केंद्र प्रभारी धनीराम साहू एवं गोदाम संचालक अशोक बाधवा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

### मझौली और पनागर में कारण बताओ नोटिस

कार्यवाही के दौरान मझौली तहसील में सेवा सहकारी समिति सहजपुरा द्वारा श्री हनुमतें वेयरहाउस चन्नौटा में संचालित खरीदी केंद्र की जांच के दौरान भी नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। इस पर उपार्जन केंद्र प्रभारी रवि श्रीवास्तव और कंप्यूटर ऑपरेटर विकास खरे को कारण बताओ नोटिस थमाया गया है। इसी तरह पनागर तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति सिंगोद द्वारा रामकेश बाबा वेयरहाउस में संचालित उपार्जन केंद्र में अनियमितता पाए जाने पर प्रभारी शिवम कुमार वर्मन और कंप्यूटर ऑपरेटर अविनाश पटेल को भी नोटिस जारी किया गया है।

### मंडी में बेची धान, 64 किसानों को खरीदी पर रोक

धान उपार्जन में सख्ती के तहत उन किसानों पर भी कार्रवाई की गई है, जिन्होंने पहले ही कृषि उपज मंडियों में अपनी धान की उपज बेच दी थी। ऐसे 64 किसानों से उपार्जन केंद्रों पर धान खरीदी पर रोक लगा दी गई है। ये किसान जबलपुर, पाटन और सिहोरा कृषि उपज मंडियों में नवंबर और दिसंबर माह के दौरान धान का विक्रय कर चुके हैं। मंडी समिति से प्राप्त जानकारी और ई-उपार्जन पोर्टल के डेटा विश्लेषण में सामने आया कि इन किसानों ने 100 क्विंटल या उससे अधिक, कुल 11 हजार 840 क्विंटल 74 किलो धान मंडियों में बेचा है, जबकि समर्थन मूल्य पर विक्रय के लिए भी पंजीयन कराया गया था। फिलहाल मंडी में बेची गई धान की मात्रा और किसानों के पास उपलब्ध धान के सत्यापन की प्रक्रिया जारी है। सत्यापन पूरा होने तक इनके स्लॉट बुकिंग पर भी रोक लगाने का अनुरोध राज्य शासन से किया गया है।

### जिले में 1.06 लाख क्विंटल से ज्यादा अवैध धान हुई जप्त

धान उपार्जन व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा की जा रही सख्त कार्रवाई के दौरान जिले भर में 1 लाख 6 हजार क्विंटल से अधिक धान अवैध भंडारण और उपार्जन केंद्रों पर विक्रय से रोकते हुए जप्त एवं सील की गई है।इस कार्रवाई में पाटन तहसील से 2,870 क्विंटल, जबलपुर तहसील से 300 बोरी, पनागर तहसील से 2,400 क्विंटल, मझौली तहसील से 9,254 बोरी और सिहोरा तहसील से 1,298 क्विंटल धान जप्त की गई। इसके अलावा कृषि उपज मंडी समिति पाटन द्वारा 12 अनुज्ञप्तिधारी फर्मों की 65,988 क्विंटल, मंडी समिति जबलपुर द्वारा 12 फर्मों की 25,314 क्विंटल और उप मंडी समिति शहपुरा द्वारा 2 फर्मों की 125 क्विंटल धान को उपार्जन केंद्रों पर विक्रय से रोकने के लिए संबंधित गोदामों को सील किया गया है।

## अवैध अतिक्रमणों पर भारी नगर निगम का बुल्डोजर

**नवभारत, जबलपुर।** शहर की सड़कों पर बढ़ते दबाव और अवैध कब्जों के कारण बाधित हो रहे यातायात को देखते हुए नगर निगम प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्यवाही की है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण अमले ने शहर के आधा दर्जन से अधिक क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान की शुरुआत गोहलपुर क्षेत्र से हुई, जहाँ नाले के ऊपर किए गए अवैध निर्माण को जमींदोज किया गया। नालों पर अतिक्रमण के कारण जल निकासी बाधित होती है, जिससे बारिश के समय जलभराव की स्थिति निर्मित होती है। दीनदयाल चौक पर लेफ्ट टर्न पर लगे अवैध ठेले और टपरों को हटाया गया ताकि मोड़ पर वाहनों की आवाजाही बिना किसी बाधा के हो सके, व्यवहारबाग से रद्दी चौकी तक के व्यस्त मार्ग पर सड़क के दोनों ओर फैले सामान और अवैध ढांचों को हटाकर रास्ता साफ कराया गया, छोटी लाइन फाटक से रामपुर चौक तक के मार्ग पर भी निगम की टीम ने सख्ती दिखाते हुए अतिक्रमण कारियों को हटाया गया, ग्वारीघाट क्षेत्र: नर्मदा तट की ओर जाने वाले मुख्य मार्गों पर भी श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सड़कों के किनारे से अस्थाई दुकानों और कब्जों को अलग किया गया।

## वियाना स्पोर्ट्स एरीना में WPL सीजन-4 का आगाज़

**नवभारत हिंदी और सेंट्रल क्रॉनिकल इंग्लिश बने मीडिया प्रायोजक**

**वियाना स्पोर्ट्स एरीना में विमेंस प्रीमियर लीग सीज़न-4 का भव्य आगाज़, बॉक्स-क्रिकेट का रोमांच चरम पर**

**नवभारत,जबलपुर।** वियाना स्पोर्ट्स एरीना में महिला खिलाड़ियों के लिए आयोजित विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) सीज़न-4 का आयोजन 4 जनवरी से 9 जनवरी 2026 तक बड़े उत्साह और जोश के साथ किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित बॉक्स-क्रिकेट टूर्नामेंट प्रतिदिन शाम 5 बजे से शुरू होगा, जिसमें शहर और आसपास की प्रतिभाशाली महिला खिलाड़ी अपने खेल का शानदार प्रदर्शन करेंगी। इस लीग का आयोजन वियाना प्रीमियर लीग (वीपीएल) के अंतर्गत किया जा रहा है। टूर्नामेंट का फॉर्मेट 8-ए-साइड, 8 ओवर और 10 खिलाड़ियों का रहेगा। आयु सीमा के अंतर्गत विवाहित महिलाओं के लिए न्यूनतम 25 वर्ष एवं अविवाहित महिलाओं के लिए 30 वर्ष निर्धारित की गई है।

### आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा

आयोजकों द्वारा विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए हैं। विजेता टीम को ?25,000 नकद एवं ट्रॉफी , उपविजेता टीम को ?15,000 नकद एवं ट्रॉफी, तृतीय स्थान पर रहने वाली टीम को ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही वुमन ऑफ द मैच, वुमन ऑफ द लीग और प्रत्येक टीम से बेस्ट परफॉर्मर को भी विशेष सम्मान दिया जाएगा।

### न्यू ईयर पार्टी एवं फिक्स्चर रिवीलिंग सेरेमनी

टूर्नामेंट से पूर्व 2 जनवरी 2026 को शाम 7 बजे से वियाना स्पोर्ट्स एरीना में न्यू ईयर पार्टी एवं फिक्स्चर रिवीलिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम केवल टीम खिलाड़ियों के लिए रहेगा, जिसमें टीम फोटोशूट, फैशन शो, डांस परफॉर्मेंस, संगीत एवं मनोरंजन की विशेष व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम की थीम शिमर/ग्लिटरिंग रखी गई है।

### महिला और पुरुष प्रीमियर लीग का संगम

विमेंस प्रीमियर लीग के साथ-साथ मेंस प्रीमियर लीग (एमपीएल) सीज़न-4 का आयोजन भी 13 जनवरी से 18 जनवरी 2026 तक शाम 6 बजे से किया जाएगा, जिससे वियाना स्पोर्ट्स एरीना में क्रिकेट प्रेमियों को लगातार रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

### स्पॉन्सर्स का अहम योगदान

इसमें नवभारत हिंदी और सेंट्रल क्रॉनिकल इंग्लिश प्रिंट मीडिया प्रायोजक के साथ-साथ इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में कई प्रतिष्ठित संस्थानों का सहयोग प्राप्त है, जिनमें बर्न बग, आज़ल डांस एंड फिटनेस स्टूडियो, फ्लोरा फ्लोर, इंटरनेशनल डिज़ाइन एकेडमी (आईडीए) एच एंड एस ग्लैम फैशन वर्ल्ड और सोशल वॉलेट शामिल हैं। आयोजकों ने सभी प्रायोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से महिला खेलों को नई पहचान मिल रही है। आयोजन को सफल बनाने में कई प्रतिष्ठित प्रायोजकों का सहयोग प्राप्त है। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे इस खेल महोत्सव का हिस्सा बनकर महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

## बिना स्टाम्प ड्यूटी चुकाये कराया नामांतरण, संपत्ति बेची

- जमीन विक्रेता को एक करोड़ का लगाया चूना, ईओडब्ल्यू ने दर्ज की एफआईआर

**जबलपुर।** षड़यंत्र रचकर बिना स्टाम्प ड्यूटी चुकाये रजिस्ट्री की फोटो काफी के आधार पर गबड़झाला कर नामांतरण कराने के साथ संपत्ति बेच दी गई। जमीन विक्रेता को एक करोड़ का चूना लगाया गया। मामले में जबलपुर ईओडब्ल्यू ने दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। ईओडब्ल्यू जबलपुर को शिकायत मिली कि मोहम्मद आसिफ पिता अब्दुल खालिक मन्सूरी, निवासी न्यू कंचनपुर एवं रूपेश विश्वकर्मा पिता तुलसीराम विश्वकर्मा, निवासी फूटाताल स्कूल ने 8 लाख रुपये कम स्टाम्प डयूटी चुकाई थी, जिससे राजिस्ट्रार ने रजिस्ट्री होल्ड की थी आरोपियों ने बिना स्टाम्प डयूटी चुकाये रजिस्ट्री की फोटो कापी के आधार पर नामांतरण करवा लिया व इस संपत्ति को आगे बेच दिया। आरोपियों ने लगभग एक करोड़ रुपये के जो चेक विक्रेता को दिये वो भी बाऊन्स हो गये।

### विक्रय पत्र में हेराफेरी, विक्रेता को दिए चेक हुए बाउंस

ईओडब्ल्यू की जांच में पाया गया कि पुनीत रंजन यादव के पिता विक्रेता स्व. मोहनलाल यादव ने क्रेता मोहम्म्द आसिफ और रूपेश विश्वकर्मा के पक्ष में जिला जबलपुर स्थित भूमि कुल रकबा 0.257 हे. जमीन को रूपये 1,03,84000 में विक्रय पत्र का पंजीयन 30 नवम्बर 2019 को किया था। जमीन का कुल मूल्य 1,03,84000 रूपए में से 2000000 रूपये नगद एवं शेष राशि विभिन बैंकों के माध्यम से क्रेतागणों मोहम्मद आसिफ एवं रूपेश विश्वकर्मा द्वारा पुनीत के पिता मोहनलाल यादव को देना विक्रय पत्र में उल्लेख किया गया है। किन्तु आरोपी के द्वारा विक्रेता को दिये गये सभी चेक बाउंस हो गये।

### ऐसे किया फर्जीवाड़ा

आरोपी आसिफ मंसूरी, रुपेश विश्वकर्मा के द्वारा मूल विक्रय पत्र में प्रतिफल की राशि के चैक का विवरण दर्ज कर धोखाधड़ी करते हुये भूमि क्रेता के रुप से विक्रय पत्र के पंजीयन एवं स्टाम्प शुल्क में पाई गई कमी राशि 7,95,920 रूपये जमा नहीं किये जाने पर मूल पंजीकृत विक्रय पत्र जारी नहीं किया गया। परंतु उपरोक्त बनावेदकों द्वारा मूल विक्रय पत्र पंजीयन शुल्क के आभाव में विधि अनुरुप जारी नहीं किये जाने के बावजूद उसकी प्रति को उपयोग में लाया जाकर नायब तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत कर नामांतरण करा लिया गया। अनावेदकों के द्वारा पूर्ण पंजीयन शुल्क एवं मुद्रांक शुल्क अनावेदक आसिफ मंसूरी एवं रुपेश विश्वकर्मा द्वारा जमा नहीं किया जाकर अन्य व्यक्तियों को भूमि विक्रय कर लाभ प्राप्त किया गया।

## 4373 की तलाश, अपनों के मिलने की आस में गुजरा 2025

**हजारों परिजनों की आंखें पथराई, बिछड़े मिलेंगे की उम्मीद अब नए साल से बंधी**

**रांझी में सर्वाधिक, बेलबाग थाने में कम गुमशुदगी के लंबित प्रकरण**

**जबलपुर। हजारों परिजनों की आंखें अपनों के इंतजार में पथरा गई हैं। गुमे हुए 4373 की तलाश, अपनों के मिलने की आस में वर्ष 2025 गुजरा गया है। किसी का सुहाग, किसी की अर्धांगिनी तो किसी के माता-पिता, बच्चे लापता हुए पहले तो चहेतों को खोजने के लिए उनके अपनों ने अपने स्तर पर खूब खोजबीन की लेकिन जब उनका पता नहीं चला तो वे थक हार कर पुलिस की शरण में भी गए थे लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। पुलिस ने गुमशुदगी तो दर्ज की लेकिन अब तक उनके अपनों को ढूंढ नहीं पाई।**

थानों से आश्वासन मिलते मिलते ये साल भी गुजर गया लेकिन हजारों परिवारों को आज भी अपनों का इंतजार है कि उनके चहेते जल्द ही घर लौटेंगे। अब ऐसे परिजनों ने नए साल 2026 से उम्मीद बांध ली है कि आज नहीं तो कल वे जरूर अपने बिछड़ों से मिलेंगे, फिर खुशियां लौटेंगी। अगर जिले के 36 थानों में दर्ज गुमशुदगी के रिकॉर्ड पर नजर दौड़ाई जाएं तो सर्वाधिक गुमइंसान के लंबित प्रकरण रांझी में दर्ज है जबकि बेलबाग थाने में सबसे कम लंबित अपराध रह गए है।

### पुलिस खाक छानती रह गई

लंबित गुमशुदगी के आंकड़े गवाही दे रहे है कि लापता लोगों को ढूंढने के मामले में पुलिस साल भर खाक छानती रह गई। गायब होने वाले अधिकतर नाबालिग है। इसके अलावा युवा, महिलाएं, बुजुर्ग भी लापता है। गुमशुदगी के मामलों को पुलिस गंभीरता से नहीं लेती है जिसके चलते अधिकांश मामलों में पुलिस के हाथ खाली रह जाते है।

### ये बन रहे वजह

नाबालिगों के गायब होने के अधिकांश मामलों में यह बात सामने आती है कि वे या तो प्रेम प्रसंग के चलते घर से चले गए या परिजनों की डांट, दबाव, पढ़ाई का तनाव के चलते घर से भाग गए है। जबकि युवा, बुजुर्ग आर्थिक तंगी, प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, प्रताड़ना के चलते घर छोड़कर गए है। इसके अलावा अन्य वजह भी शामिल है। इसके अलावा बच्चों का अपहरण करने वाला गिरोह भी सक्रिय है।

### थानों में दर्ज गुमशुदगी के आंकड़े

**पेंडेंसी के टॉप थाने**

| | |
|---|---|
| रांझी | 611 |
| अधारताल | 380 |
| गढ़ा | 343 |
| पनागर | 287 |
| हनुमानताल | 200 |
| गोरखपुर | 193 |
| सिहोरा | 181 |
| बरेला | 170 |
| माढोताल | 146 |
| मझौली | 140 |
| पाटन | 130 |
| घमापुर | 135 |
| बरगी | 121 |
| गोहलपुर | 100 |
| लाईगंज | 87 |
| कुंडम | 76 |

**यहां कम पेंडेंसी**

| | |
|---|---|
| बेलबाग | 19 |
| विजय नगर | 21 |
| सिविल लाइन | 30 |
| ओमती | 33 |
| कोतवाली | 34 |
| खमरिया | 40 |
| चरगवां | 45 |
| केंट | 54 |
| गोसलपुर | 57 |
| कटंगी | 58 |
| बेलखेड़ा | 59 |
| मझग्वां | 61 |
| भेड़ाघाट | 62 |
| गोराबाजार | 63 |
| तिलवारा | 71 |
| मदनमहल | 71 |
| खितौला | 73 |
| संजीवनी नगर | 74 |
| ग्वारीघाट | 74 |
| शहपुरा | 74 |

### थानों के चक्कर काट थक गए परिजन

परिजन अपनों की तलाश में थानों के चक्कर काट कर थक चुके है लेकिन पुलिस की ओर से उन्हें कोई संतोषजनक जवाब मिलता है। हाईप्रोफाइल मामलों में जरूर पुलिस की सक्रियता देखने को मिलती है। बाकी में पुलिस सिर्फ सोशल मीडिया के भरोसे रहती है। गुमइंसान की तस्वीरों को शेयर करनेतक की ऐसे मामलों की जांच सीमित होती है। जिसके चलते गुमशदगी के मामलों में लगातार इजाफा हो रहा है। जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि गुमे लोगों की तलाश कहां और कैसे चल रही है।

## जब यात्रियों के बीच गिरा कांच का टुकड़ा

**जबलपुर, नवभारत।** बुधवार सुबह उस समय मदन महल रेलवे स्टेशन पर अफरा तफ़री मच गई जब ट्रेन का इंतज़ार कर रहे सैकड़ो यात्रियों के बीच काँच का एक टुकड़ा आ गिरा। रेलवे की इस लापरवाही से कई यात्री बाल बाल बच गए। यह घटना मदनमहल प्लेटफार्म 1 की है जहा सुबह 10 बजे विंध्याचल एक्सप्रेस का इन्तजार कर रहे लोग स्टेशन पर थे ठीक उसी समय मजदूरों द्वारा सेंटिंग निकालते वक्त एक बड़ा काँच का टुकड़ा सीधा प्लेटफार्म पर गिर गया इस दौरान अनेक यात्रियों ने दौड़ कर अपनी सुरक्षा स्वयं करी। इसके पूर्व भी कई बार बिना सुरक्षा के ठेकेदार द्वारा कार्य किये जाने की शिकयत लोगो ने बताई है।

### सीट को लेकर हुआ विवाद

कुर्ला से बनारस तक जाने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस में दो यात्री सफर कर रहे थे जिनमें से दोनों यात्रियों के बीच जमकर मारपीट होने की जानकारी सामने आई। पीड़ित महिला ने बताया कि ऊपर वाली बर्थ पैसेंजर को आरक्षित थी लेकिन वह नीचे वाली सीट पर आकर कब्जा करने लगा और बैठ गया मना करने पर मारपीट करने पर उतारू हो गया। जिसकी रिपोर्ट जबलपुर जीआरपी थाने में दर्ज कर दी है। जहां जीआरपी पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाते हुए यात्रियों को आगे रवाना किया है। जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया कि सीट को लेकर कुर्ला बनारस ट्रेन में वाद विवाद की घटना सामने आई।